



|| श्री गणेशाय नमः ||

## राशिफल

Sonal

30/04/1999 01:53

Akola

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

# बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

## बुनियादी विवरण

जन्म की तारीख	30/04/1999
जन्म का समय	01:53
जन्म स्थान	Akola
अक्षांश	20.7002159
देशान्तर	77.0081678
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	23.852444673629005
सूर्योदय	05:57:00
सूर्यास्त	18:40:00

## घटक चक्र

महीना	गुरु
तिथि	4 (चतुर्थी), 9 (नवमी), 14 (चतुर्थी)
विपरीत लिंग लग्न	मीन
नक्षत्र	
भगवान	शनि
समलिंगी लग्न	कन्या
Tatva	वायु
रासी	धनु

## पंचांग विवरण

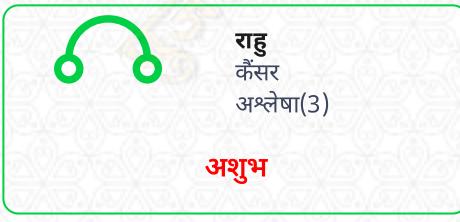
तिथि	पूर्णिमा
योग	सिद्धि
नक्षत्र	स्वाति
करण	विष्णि

## ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	शूद्र
वास्या	मानव
योनि	भेस
तिथि	शु.पूर्णिमा
नक्षत्राधिपति	राहु
नक्षत्र	स्वाति
प्रबल	मकर
Tatva	वायु
करण	बाबा
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
दलदल	तांबा
नाम वर्णमाला	रु
रासी	तुला
नाड़ी	कफ

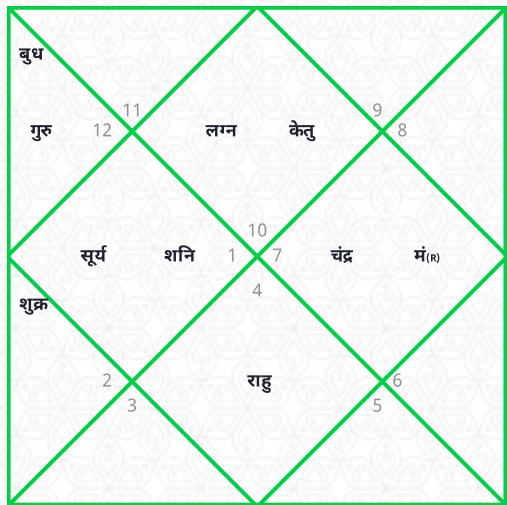
## ग्रहों की स्थिति

ग्रहों	आर	संकेत	डिग्री	साइन लॉड	नक्षत्र	नक्षत्राधिपति	घर
लग्नश	मकर	298.46090813363367		शनि	धनिस्ता(2)	मंगल	1
सूर्य	मेष	15.23048270259321		मंगल	भरानी(1)	शुक्र	4
चंद्रमा	तुला	186.73061874728054		शुक्र	स्वाति(1)	राहु	10
मंगल	तुला	188.33506142746893		शुक्र	स्वाति(1)	राहु	10
बुध	मीन	351.40681606136496		बृहस्पति	रेवती(2)	बुध	3
बृहस्पति	मीन	354.0691541543991		बृहस्पति	रेवती(3)	बुध	3
शुक्र	वृषभ	56.18938138455424		शुक्र	मृगशिरा(1)	मंगल	5
शनि	मेष	13.21691733635765		मंगल	अश्विनी(4)	केतु	4
राहु	कैंसर	114.27846872124036		चंद्रमा	अश्लेषा(3)	बुध	7
केतु	मकर	294.27846872124036		शनि	धनिस्ता(1)	मंगल	1



## राशिफल चार्ट

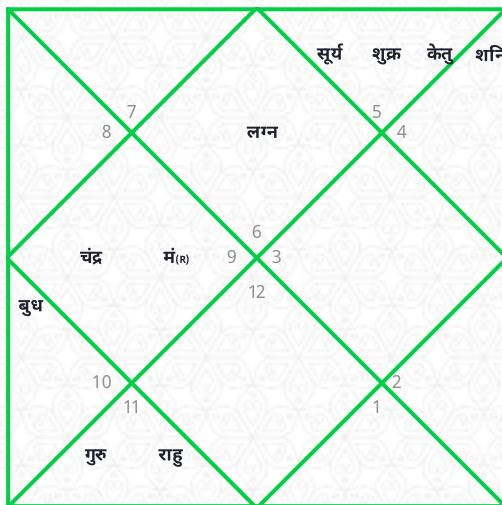
### लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)



लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली



नवमांश चार्ट(D9)

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

## समग्र मैत्री तालिका

### स्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	तटस्थ	दोस्त	दुश्मन	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ	--
बुध	दोस्त	दुश्मन	--	--	तटस्थ	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	--	दुश्मन	--
शुक्र	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	दोस्त	--

### अस्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दुश्मन	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
चंद्रमा	दुश्मन	--	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	--
मंगल ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	--
बुध	दोस्त	दुश्मन	--	--	दुश्मन	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दुश्मन	--	दुश्मन	--	दोस्त	--
शुक्र	दोस्त	दुश्मन	--	दोस्त	दोस्त	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--

## समग्र मैत्री तालिका

### पांच प्रकार की मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	तटस्थ	--	दोस्त	अंतरंग	तटस्थ	--
चंद्रमा	तटस्थ	--	--	तटस्थ	दुश्मन	दुश्मन	--
मंगल ग्रह	तटस्थ	तटस्थ	--	कट्टर दुश्मन	तटस्थ	दुश्मन	--
बुध	अंतरंग	कट्टर दुश्मन	--	--	दुश्मन	अंतरंग	--
बृहस्पति	अंतरंग	तटस्थ	--	कट्टर दुश्मन	--	तटस्थ	--
शुक्र	तटस्थ	कट्टर दुश्मन	--	अंतरंग	दोस्त	--	--
शनि ग्रह	कट्टर दुश्मन	कट्टर दुश्मन	--	अंतरंग	दोस्त	अंतरंग	--

## विंशोत्तरी दशा - 1

राहु	
सोम	दिसंबर 10 2001
रवि	मार्च 26 2017
राहु	दिसंबर 10 2001
बृहस्पति	मई 04 2004
शनि	मार्च 10 2007
बुध	सितंबर 26 2009
केतु	अक्टूबर 14 2010
शुक्र	अक्टूबर 13 2013
सूर्य	सितंबर 07 2014
चंद्रमा	मार्च 08 2016
मंगल	मार्च 26 2017

बृहस्पति	
मंगल	मई 14 2019
बुद्ध	मार्च 23 2033
बृहस्पति	मई 14 2019
शनि	नवंबर 24 2021
बुध	फरवरी 29 2024
केतु	फरवरी 04 2025
शुक्र	अक्टूबर 05 2027
सूर्य	जुलाई 23 2028
चंद्रमा	नवंबर 22 2029
मंगल	अक्टूबर 29 2030
राहु	मार्च 23 2033

शनि	
मंगल	मार्च 25 2036
बृहस्पति	मार्च 19 2052
शनि	मार्च 25 2036
बुध	दिसंबर 02 2038
केतु	जनवरी 11 2040
शुक्र	मार्च 12 2043
सूर्य	फरवरी 22 2044
चंद्रमा	सितंबर 22 2045
मंगल	नवंबर 01 2046
राहु	सितंबर 06 2049
बृहस्पति	मार्च 19 2052

बुध	
शनि	अगस्त 15 2054
गुरु	मार्च 14 2069
बुध	अगस्त 15 2054
केतु	अगस्त 12 2055
शुक्र	जून 11 2058
सूर्य	अप्रैल 17 2059
चंद्रमा	सितंबर 15 2060
मंगल	सितंबर 12 2061
राहु	मार्च 31 2064
बृहस्पति	जुलाई 06 2066
शनि	मार्च 14 2069

केतु	
शनि	अगस्त 10 2069
शुक्र	मार्च 13 2076
केतु	अगस्त 10 2069
शुक्र	अक्टूबर 10 2070
सूर्य	फरवरी 15 2071
चंद्रमा	सितंबर 16 2071
मंगल	फरवरी 12 2072
राहु	मार्च 01 2073
बृहस्पति	फरवरी 05 2074
शनि	मार्च 17 2075
बुध	मार्च 13 2076

शुक्र	
गुरु	जुलाई 13 2079
गुरु	मार्च 08 2096
शुक्र	जुलाई 13 2079
सूर्य	जुलाई 12 2080
चंद्रमा	मार्च 12 2082
मंगल	मई 12 2083
राहु	मई 11 2086
बृहस्पति	जनवरी 08 2089
शनि	मार्च 09 2092
बुध	जनवरी 07 2095
केतु	मार्च 08 2096

## विंशोत्तरी दशा - 2

सूर्य		चंद्रमा		मंगल	
मंगल	जून 26 2096	सोम	जनवरी 08 2103	गुरु	अगस्त 04 2112
शुक्र	मार्च 10 2102	मंगल	मार्च 08 2112	बुद्ध	मार्च 08 2119
सूर्य	जून 26 2096	चंद्रमा	जनवरी 08 2103	मंगल	अगस्त 04 2112
चंद्रमा	दिसंबर 26 2096	मंगल	अगस्त 09 2103	राहु	अगस्त 22 2113
मंगल	मई 03 2097	राहु	फरवरी 07 2105	बृहस्पति	जुलाई 29 2114
राहु	मार्च 28 2098	बृहस्पति	जून 09 2106	शनि	सितंबर 07 2115
बृहस्पति	जनवरी 14 2099	शनि	जनवरी 08 2108	बुध	सितंबर 03 2116
शनि	दिसंबर 27 2099	बुध	जून 08 2109	केतु	जनवरी 30 2117
बुध	नवंबर 02 2100	केतु	जनवरी 07 2110	शुक्र	अप्रैल 01 2118
केतु	मार्च 10 2101	शुक्र	सितंबर 07 2111	सूर्य	अगस्त 07 2118
शुक्र	मार्च 10 2102	सूर्य	मार्च 08 2112	चंद्रमा	मार्च 08 2119

### वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	बृहस्पति	गुरु मार्च 30 2017 रात 12:00 बजे	बुद्ध मार्च 30 2033 रात 12:00 बजे
अंतर्दशा	केतु	मंगल मार्च 05 2024 सुबह 9:36 बजे	रवि फरवरी 09 2025 सुबह 7:12 बजे
पर्यातर्दशा	मंगल	शुक्र जुलाई 05 2024 दोपहर 1:20 बजे	गुरु जुलाई 25 2024 सुबह 10:36 बजे
शुक्रशमदाशा	बुध	सोम जुलाई 15 2024 सुबह 11:58 बजे	गुरु जुलाई 18 2024 सुबह 7:34 बजे
प्रणादशा	शनि	बुद्ध जुलाई 17 2024 शाम 8:52 बजे	गुरु जुलाई 18 2024 सुबह 7:34 बजे

\* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

## लग्न रिपोर्ट



### लग्न रिपोर्ट : मकर

विशेषताएँ	जंगम, पार्थिव, दक्षिण
भाग्यशाली रत्न	नीलमणि
भगवान्	शनि
प्रतीक	बकरी
उपवास का दिन	शनिवार

|ॐ शनैश्चराय विद्धहे छायापुत्राय धीमहि तत्रो मंदः प्रचोदयात् ॥

आप अपनी उम्र के हिसाब से परिपक्व दिखते हैं और कार्य करते हैं। आपको कठोर अनुभव होंगे जो आपके भविष्य को आकार देंगे। आप जिम्मेदार होंगे और अपने प्रयासों में सहज होंगे। सही संयोजन के साथ आप एक संगठन के प्रमुख बनने के लिए उठेंगे। पर बुरे संयोजन के विपरीत, आप जीवन भर आलसी और विलंबित रहेंगे। जिम्मेदार लोगों का एक परिवार होगा जिसे समाज द्वारा बहुत सम्मान के साथ देखा जाएगा। आप अपने जीवन के शुरुआती चरणों में जितनी अधिक कठिनाइयों का सामना करेंगे, उतना ही अधिक होगा अनुभवी तुम बन जाओगे।

आपका अनुशासित और व्यावहारिक स्वभाव आपको कड़ी मेहनत और दृढ़ता के माध्यम से अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रेरित करता है। आप अधिकार और सफलता को महत्व देते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 4 गृह मे है। मकर लग्न के रूप में, शनि आपको दुर्बल बना देगा। आपको भय और चिंता होगी और बचपन से ही जबरदस्त जिम्मेदारी निभानी होगी। आप अपनी माँ से अलग हो सकते हैं और भाई-बहनों और अपने परिवार की देखभाल करनी होगी। विवादों के कारण आप अपने माता-पिता की संपत्ति को भी खो सकते हैं। आपके शत्रुओं का आप पर अधिकार होगा।

# लग्न रिपोर्ट

## आध्यात्मिक सलाह

अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर आत्म-अनुशासन और धैर्य अपनाएं। आंतरिक विंतन और ध्यान के माध्यम से उद्देश्य खोजें।

### सकारात्मक लक्षण

व्यावहारिक

महत्वाकांक्षी

अनुशासित

धैर्यवान

### नकारात्मक लक्षण

निराशावादी

जिद्दी

निर्लिप्त

अतिआलोचनात्मक



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें